अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय सीमा : 3 घंटा | तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2015) | दिनांक 21.12.2015

द्वितीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

तेरापंथ इतिहास और दर्शन – 70

प्र.1 किन्हीं बारह प्रश्नों का उत्तर एक या दो वाक्य में दें। 12

(क) ब्रह्म समाज की स्थापना कब किसने की?

(ख) भगवती सूत्र के अनुसार देवगति बंध के कितने व कौन–कौन से कारण हैं?

(ग) संवत्सरी के दिन पानी जांचने का निर्णय कब व कहाँ हुआ?

(घ) राजस्थानी साहित्य में कौन–कौन से रसों का साहित्य प्रचुर मात्रा में मिलता है?

(ङ) लोक जागृति के प्रमुख माध्यम कितने व कौन–कौन से हैं?

(च) ''साधुओं का संविधान'' यह शीर्षक समाचार पत्रों में कब प्रकाशित हुआ?

(छ) ''जैन सिद्धान्त दीपिका'' में आचार्य भिक्षु के सिद्धान्तों को कितने सूत्रों व किस शैली में प्रस्तुत किया गया है?

(ज) शुभ दीर्घायु कर्म का बन्ध कैसे होता है?

(झ) ''सर्वे पदाहस्ति पदे'' इसका अर्थ क्या है?

(ञ) ''कल्प'' किसे कहते हैं?

(ट) ''मर्यादा महोत्सव शताब्दी समारोह'' का आयोजन कब व कहाँ हुआ?

(ठ) आचार्य भिक्षु ने संघ का एक प्रारूप बनाया, संविधान बनाया। उसका उद्देश्य क्या था?

(ड) संक्षेप में निवृत्ति का अर्थ क्या है?

(ढ) आर्य सुधर्मा के पश्चात शासन धुरा का वहन किसने किया?

(ण) सकाम निर्जरा जिन आज्ञा में है या जिनाज्ञा बाहर?

प्र.2 किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्य में दें? 10

(क) राजस्थानी साहित्य–निर्माता के रूप में किन–किन मुनियों का नाम उल्लेखनीय है?

(ख) साधन के उपयोग हेतु चिन्तन के मुख्य बिन्दु कौन से थे?

(ग) स्थानांग सूत्र के अनुसार आचार्य में कौन–कौन सी अर्हताएँ होनी चाहिए?

(घ) आचार्य भिक्षु की मौलिक स्थापनाएँ कौन–कौन सी हैं?

(ङ) भगवान महावीर की भाषा में पुरुष के चार प्रकार कौन–कौन से हैं?

प्र.3 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दें। 18

(क) आचार्य भिक्षु के संगठन में विचार और आचार की एकता का आधार क्या है?

(ख) आचार्य भिक्षु के निर्जरा विषय सम्बन्धी विचारों पर प्रकाश डालें।

(ग) आचार्य तुलसी ने युवा–दायित्व का कौन सा शब्द चित्र होनहार युवकों के सम्मुख प्रस्तुत किया?

(घ) ''धर्म का स्वरूप समता है, अहिंसा है। विषमता उसका आधार नहीं है?'' आचार्य भिक्षु के विचारों द्वारा स्पष्ट करें।

(ड.) आचार्य भिक्षु ने संविभाग का महत्त्वपूर्ण सूत्र दिया। स्पष्ट करें।

प्र.4 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर विस्तार से दीजिए। 30

(क) किसी भी मुनि के लिए संघबद्ध साधना के कौन से सूत्र हैं? विवेचन कीजिए।

(ख) आचार्य तुलसी की प्रेरणा से तेरापंथ में कला की परम्परा अविछिन्न रूप से आगे बढ़ी। स्पष्ट करें।

(ग) ''मूर्तिपूजा और तेरापंथ'' शीर्षक पर एक लेख लिखें।

भिक्षु वाणी – 30

प्र.5 किन्हीं तीन पद्यों का सप्रसंग भावार्थ करें। 15

(क) ज्यां लग.....होय जाय।।

(ख) धू धू ने.....नावे दाय।।

(ग) केई विनीत.....पड़े अविनीत।।

(घ) बांध्यो कालारी.....कुबद सीखावे।।

(ङ) गलियार गधो.....पार घाले।।

प्र.6 किन्हीं दो विषयों पर पद्य लिखें। 6

(क) असाधु (ख) आसक्ति

(ग) राग–द्वेष (घ) सत्पुरुष

प्र.7 कोई तीन पद्यों की पूर्ति करें। 9

(क) सुई नांके.....न वेसें।।

(ख) लोक मांहे.....रे मांही।।

(ग) कांणी का जल.....मूंढ़ गिवार।।

(घ) जो थांरे .....म कूको।।

(ङ) तिणने राज.....मस्करा खाय।।